हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, मंगलवार 7 जुलाई 2026

13 डूबलधन सीएचसी के बाहर दिया धरना

14 जाखोदा में 9 लाख के विकास कार्य शुरू

खबर संक्षेप

झज्जर। पोस्टमार्टम के दौरान अस्पताल परिसर में उपस्थित परिजन।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक युवक की मौत

झज्जर। क्षेत्र के ग्वालिसन-छुछकवास मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार एक युवक की मौत हो गई जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान जिले के गांव मारौत निवासी करीब 35 वर्षीय संदीप पुत्र कमल सिंह के तौर पर हुई है। पुलिस को दी शिकायत में मृतक के भाई कुलदीप ने बताया कि गांव के सरपंच ने उसके भाई संदीप के एक्सीडेंट होने की सूचना दी। सूचना पाकर जब वह अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मौके पर पहुंचा तो वहां देखा कि उसके भाई संदीप की मौत हो चुकी थी। कुलदीप के अनुसार उसका भाई संदीप अपने गांव के साथी रोहित के साथ मोटरसाइकिल पर छुछकवास गया था। जब वे वापिस गांव लौट रहे थे तो ड्रेन के नजदीक उन्हे एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस टक्कर में रोहित भी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसके कारण उसकी मौत हो गई। पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

पीजीआई से लौट रहे बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत, बेटा घायल

बहादुरगढ़। शहर के आर्य नगर निवासी एक बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि उनका बेटा घायल हो गया। हादसे के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, आर्य नगर निवासी 71 वर्षीय कृष्ण सोमवार को अपने बेटे रमेश के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर पीजीआई रोहतक गए थे। वापसी के दौरान पारले के निकट एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। दुर्घटना में कृष्ण की मौत हो गई, जबकि उसके बेटे रमेश को गंभीर चोटें आईं। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है।

सड़क हादसे में घायल महिला ने तोड़ा दम

बहादुरगढ़। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुई एक महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतका के बेटे की शिकायत पर थाना सेक्टर-6 पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। आदर्श नगर निवासी विशाल तहलान के अनुसार 4 जुलाई की शाम उनकी मां सुनीता तहलान ने फोन कर बताया कि वह ब्रिगेडियर होशियार सिंह मेट्रो स्टेशन के पास पहुंच चुकी हैं। जब वहां पहुंचा तो उसकी मां वहां नहीं मिलीं। बाद में हादसे की सूचना मिली। अब निजी अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई।

भट्टी गेट

अंबेडकर चौक

जलनिकासी के दावे पानी-पानी

झज्जर (हरिभूमि न्यूज)। सोमवार सुबह हुई हल्की बरसात के कारण हुए जलभराव के कारण आमजन व वाहन चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के आंबेडकर चौक, बीकानेर चौक, सीताराम गेट, माता गेट सहित अधिकांश स्थानों पर एक से डेढ़ फीट तक पानी भर गया। स्थिति यह रही कि बरसात रुकने के कई घंटों बाद तक भी आंबेडकर चौक से बाजार की ओर जाने वाले मार्ग पर पानी की निकासी नहीं हो पाई। सोमवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विशेषज्ञ आगामी दिनों में भी मौसम परिवर्तनशील रहने का अनुमान लगा रहे हैं।

करोड़ों खर्च करने के बावजूद जलनिकासी व्यवस्था पर उठ रहे सवाल, बाढ़ जैसे न बन जाएं हालात

मानसून सिर पर, ड्रेनों-नालों की सफाई अधूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

क्षेत्र में मानसून ने दस्तक दे दी है, लेकिन बारिश से पहले ड्रेन और नालों की सफाई का कार्य अभी तक पूरी तरह पूरा नहीं हो सका है। ऐसे में शहर के अनेक निचले इलाकों में एक बार फिर जलभराव का खतरा बढ़ गया है। शहर के कई प्रमुख नालों और ड्रेनों में अब भी सिल्ट, कूड़ा-कचरा और झाड़ियां जमा होने की शिकायतें मिल रही हैं। पिछले वर्ष हुई बारिश में मुंगेशपुर ड्रेन के ओवरफ्लो होने से छोटूराम नगर, विवेकानंद नगर, एमआईई औद्योगिक क्षेत्र सहित कई इलाकों में हालात बेकाबू हो गए थे। घरों, दुकानों और फैक्ट्रियों में पानी भर गया था। राहत एवं बचाव कार्य के लिए प्रशासन के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं को भी मैदान में उतरना पड़ा था। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते नालों व ड्रेनों की सफाई पूरी नहीं हुई तो पहली ही तेज बारिश में कई स्थानों पर पानी रुकने की आशंका बनी हुई है।

सिटी पल्स

बहादुरगढ़। सांखोल के निकट लगभग ओवरफ्लो स्थिति में वेस्ट जुआं ड्रेन।

ढाई करोड़ से मुंगेशपुर ड्रेन व पौने 2 करोड़ से 40 नालों की सफाई का दावा

पिछले साल मुंगेशपुर ड्रेन टूटने से शहर के कई हिस्सों में बने बाढ़ के हालात बन गए थे। इससे सबक लेते हुए इस बार ढाई करोड़ रुपये से मुंगेशपुर ड्रेन की सफाई करवाई जा रही है। इसके अलावा नगर परिषद द्वारा 40 नालों की सफाई के लिए करीब पौने 2 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सिंचाई विभाग, पंचायत विभाग तथा पीडब्ल्यूडी भी अपने स्तर पर सफाई के नाम पर खूब पैसे खर्च रहा है, लेकिन तैयारी इसके अनुरूप नजर नहीं आ रही।

गंदगी से भरे सेक्टर-6 के नाले।

प्राथमिकता से हो सफाई कार्य

अमित राठी ने बताया कि छोटूराम नगर और विवेकानंद नगर में पिछले साल घरों में कई फुट तक पानी भर गया था। यदि ड्रेन और नालों की सफाई समय पर नहीं हुई तो फिर वही स्थिति बन जाएगी। अभी भी शहर के नालों की सफाई का कार्य अधूरा है। जहां भी कार्य शेष है, उसे प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराया जाना चाहिए।

सिल्ट उठाने का कार्य भी जल्द हो

सहदेव दहिया का कहना है कि पिछले साल जलभराव से गरीब तबके के साथ ही उद्योगों को भारी नुकसान हुआ था। यदि इस बार भी समय रहते सफाई नहीं हुई तो फिर से जनजीवन प्रभावित होगा। ड्रेन की सफाई सुनिश्चित करने के साथ ही सिल्ट हटाने का कार्य भी अविलंब करना होगा।

संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से पंपिंग सेट व राहत दल तैनात किए जाएं

राजेश खत्री के अनुसार थोड़ी देर की बारिश में ही बहादुरगढ़ की सड़कें तालाब बन जाती हैं। प्रशासन को केवल कागजी दावों तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि जमीनी स्तर पर काम दिखना चाहिए। उम्मीद है कि इस बार प्रशासन पहले से बेहतर तैयारी करेगा ताकि ऐसी नौबत न आए। संवेदनशील क्षेत्रों में पहले से पंपिंग सेट और राहत दल तैनात किए जाएं, ताकि मानसून के दौरान लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

मकान में ऊपर सो रहे युवक को नहीं लगी चोरों की भनक

सराय औरंगाबाद में दिनदहाड़े मकान का ताला तोड़कर लाखों के जेवर चुराए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव सराय औरंगाबाद में दिनदहाड़े एक मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर लाखों रुपये के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर ले गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव सराय औरंगाबाद निवासी विनोद सांगवान ने बताया कि 26 जून को वह अपने मकान के चौबारे में आराम कर रहे थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य रिश्तेदारी में गए हुए थे। दोपहर करीब एक बजे जब परिवार के सदस्य वापस लौटे तो घर के कमरे का ताला टूटा हुआ मिला। कमरे के अंदर सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी तथा उसके लॉकर भी टूटे हुए थे। जांच करने पर अलमारी से दो सोने की चेन, दो सोने की अंगूठियां, एक सोने का लॉकेट तथा 8-9 चांदी के सिक्के गायब मिले। शिकायत के अनुसार दोनों सोने की चेन का वजन करीब 3 से 4 तोला, दोनों अंगूठियों का वजन करीब एक तोला तथा लॉकेट का वजन लगभग 1 से 1.5 तोला था। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। साथ ही अज्ञात चोरों की तलाश के लिए जांच जारी है।

बाइक, नकदी और मोबाइल चोरी

बहादुरगढ़। सेक्टर-37 स्थित एक निर्माणाधीन भवन में चौकीदारी कर रहे युवक की झुग्गी से अज्ञात चोर मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन और नकदी चुरा ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मध्यप्रदेश के जिला छतरपुर निवासी अजय यादव ने बताया कि वह वर्तमान में सेक्टर-37 स्थित एचएल सिटी में चौकीदार की नौकरी करता है। रविवार 5 जुलाई की रात वह निर्माणाधीन बिल्डिंग की पार्किंग में बनी झुग्गी में सो गया था। वहीं उसके मालिक की मोटरसाइकिल भी खड़ी थी। रात में नींद खुलने पर उसने देखा कि बाइक गायब थी। उसका मोबाइल फोन और पर्स भी नहीं मिला। पर्स में करीब एक हजार रुपये रखे थे। पीड़ित की शिकायत पर थाना सदर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर मोटरसाइकिल, मोबाइल और अन्य सामान की तलाश शुरू कर दी है।

सेक्टर 37 के निर्माणाधीन भवन की पार्किंग में बनी चौकीदार की झुग्गी से हुई चोरी

सेक्टर 7 में मकान के बाहर से कार चोरी

बहादुरगढ़। सेक्टर-7 से एक स्विफ्ट डिजायर कार चोरी होने का मामला सामने आया है। महताब सिंह ने बताया कि 26 जून की रात उन्होंने अपनी सफेद रंग की मारुति स्विफ्ट डिजायर अपने मकान के सामने सड़क पर खड़ी की थी। अगले दिन 27 जून की सुबह कार वहां नहीं मिली। आसपास काफी तलाश करने के बावजूद कार का कोई सुराग नहीं लगा। शिकायत के अनुसार मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

सेक्टर 6 मार्केट में आए युवक पर डंडे से हमला, धमकी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

सेक्टर-6 मार्केट में खरीदारी करने पहुंचे एक युवक पर अज्ञात कार सवार द्वारा डंडे से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाना सेक्टर-6 में शिकायत देकर आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-6 निवासी अक्षत दहिया ने बताया कि 3 जुलाई की शाम साढ़े 7 बजे वह अपने दोस्त चैतन्य दराल के साथ सेक्टर-6 मार्केट में सामान खरीदने गए थे। एक सफेद रंग की बिना नंबर प्लेट की फ्रॉन्क्स कार ने अचानक उनकी कार के सामने आकर रास्ता रोक लिया। कार से उतरे एक अज्ञात युवक ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और हाथ में लिए डंडे से अक्षत के सिर पर कई वार किए। आरोपियों ने चैतन्य के साथ भी मारपीट की और उन्हें धमकी दी।

पीडीएम के शिवम माहेश्वरी का आईआईटी-बीएचयू में चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शिवम माहेश्वरी।

पीडीएम पब्लिक स्कूल के पूर्व छात्र शिवम माहेश्वरी का देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में से एक आईआईटी-बीएचयू वाराणसी में चयन हुआ है। शिवम माहेश्वरी ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन, समर्पण एवं उत्कृष्टता की निरंतर साधना के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है। स्कूल प्रधानाचार्या डॉ. सुमन हुड्डा ने शिवम को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि शिवम की सफलता विद्यालय के सभी विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने विश्वास कि शिवम भविष्य में अपनी प्रतिभा एवं परिश्रम से नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। देश और समाज का गौरव बढ़ाएंगे। उन्होंने बताया कि पीडीएम पब्लिक स्कूल सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, नैतिक मूल्यों एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण के माध्यम से उन्हें उनके सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित करता है।

बेरी में 20.60 करोड़ से 16 सड़कों का होगा कायाकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

जिले की बेरी विधानसभा क्षेत्र में सड़क अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए लोक निर्माण विभाग भवन एवं सड़कें के माध्यम से 20 करोड़ 60 लाख रुपये की अनुमानित लागत से 16 सड़कों से जुड़े विकास कार्य प्रस्तावित किए गए हैं।

इन कार्यों के तहत लगभग 31 किलोमीटर लंबाई की विभिन्न ग्रामीण एवं संपर्क सड़कों का पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण तथा सुधार किया जाएगा।

डीसी वर्षा खांगवाल ने बताया कि क्षेत्र के गांव बहराना स्थित ग्रामीण खेल स्टेडियम के पहुंच मार्ग का पुनर्निर्माण, बेरी-कलानौर रोड से गांव बिसाहन रोड तक, बेरी-कबूलपुर रोड, डीघल रेलवे स्टेशन मार्ग, गांव महराणा से पीडब्ल्यूडी रोड, गांव भापड़ौदा-इस्माइला रोड, गांव कबूलपुर-गोच्छी रोड, सांपला-आसंडा से एनएच-334बी रोड, भापड़ौदा आंतरिक सड़क मार्ग, जहाजगढ़-बराणी रोड, बेरी बाईपास, बिसाहन अप्रोच रोड तथा बेरी-बाघपुर-मांगावास मार्ग के सुधार कार्य शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सांपला-झज्जर रोड से गढ़ी-सांपला-मातन-दुल्हेड़ा मार्ग तथा रोहद-बादली रोड के सुधार के लिए भी एस्टीमेट तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द ही नियमों के तहत इन कामों को शुरू करवाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से संपन्न करवाया जाएगा।

सुधारीकरण को मिली प्रशासनिक स्वीकृति, लगभग 31 किलोमीटर लंबाई की विभिन्न ग्रामीण व संपर्क सड़कों का पुनर्निर्माण, सुदृढ़ीकरण तथा सुधार किया जाएगा

लापरवाही | विधायक राजेश जून ने ट्रैक्टर-ट्रॉली रुकवाई, कार्रवाई के दिए निर्देश

बिना नंबर प्लेट के वाहन में बगैर ढके ही ढो रहे कूड़ा

- यातायात नियमों का उल्लंघन कर रहे कूड़ा ढो रहे वाहन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

शहर में कूड़ा उठान व्यवस्था में बरती जा रही लापरवाही पर सोमवार को विधायक राजेश जून ने सख्त रुख अपनाया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कूड़ा उठाने में लगी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को रुकवाया। जांच में पाया गया कि ट्रॉली में भरे कूड़े को बिना ढके ही डंपिंग यार्ड ले जाया जा रहा था।

इतना ही नहीं, ट्रैक्टर और ट्रॉली पर नंबर प्लेट भी नहीं थी। कूड़ा उठान में लगे कई ट्रैक्टर-ट्रॉली यातायात नियमों एवं निर्धारित शर्तों का उल्लंघन कर रहे हैं। विधायक राजेश जून ने कहा कि इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विधायक राजेश जून ने मौके पर ट्रैक्टर चालक से आवश्यक जानकारी मांगी, लेकिन चालक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

इसके बाद विधायक राजेश जून ने तत्काल नगर परिषद के अधिकारियों को फोन कर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि भविष्य में सभी चालक अपनी ट्रॉलियों में भरे कूड़े को अच्छी तरह ढककर ही डंपिंग यार्ड तक पहुंचाएं। वाहनों पर पंजीकृत नंबर अनिवार्य रूप से लिखवाएं तथा ड्राइवर अपने ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन के सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखें।

बहादुरगढ़। बिना ढके कूड़ा ले जा रहे ट्रैक्टर को लेकर कार्रवाई करवाते विधायक राजेश जून।

प्रधानमंत्री आवास योजना अर्बन 2.0 के 56 लाभार्थियों को बांटे आवंटन पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही प्रधानमंत्री आवास योजना अर्बन - 2.0 के अंतर्गत मकान बनाने के लिए आवेदन करने वाले लाभार्थियों को सोमवार को आवंटन पत्र सौंपे गए। नगर परिषद देवेंद्र ने बताया कि योजना के अंतर्गत आवेदन करने वाले 56 लाभार्थियों को नगर परिषद के चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने मकान बनाने संबंधी पत्र प्रदान किए। उन्होंने लोगों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाई गई यह सराहनीय योजना है। योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग आवदेन के बाद अपनी जमीन पर आवास का निर्माण कर पाएंगे। योजना के इंचार्ज अरुण सागू ने बताया कि योजना के अंतर्गत आवेदनकर्ता को मकान बनाने के लिए तीन किश्तों में ढाई लाख रुपये की राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही 65 लाभार्थियों की सूची और जारी की जाएगी।

झज्जर। नगर परिषद चेयरमैन जिले के साथ उपस्थित योजना के लाभार्थी।

हरिभूमि
रोहतक,मंगलवार
7 जुलाई 2026

सहेली

आज की स्त्री केवल घर-परिवार की तमाम जिम्मेदारियों के बीच दबकर नहीं रहना चाहती। वह साझा जिम्मेदारियों में यकीन करती है। वह अपनी परंपरागत छवि से निकलकर ऐसी जिंदगी जीना चाहती है कि उसे परिवार-समाज में मान-सम्मान मिले, उसका भी एक अस्तित्व हो। पर्सनल लाइफ में ही नहीं, प्रोफेशनल लाइफ में भी वह डिसीजनमेकर बने। नए दौर की स्त्री, आत्मविश्वासी होकर स्वाभिमान से जीवन जीना चाहती है। वह अपनी अस्मिता को लेकर पूरी तरह जागरूक रहती है।

अपनी अस्मिता के लिए जागरूक आज की स्त्री

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

स्त्री को सदैव सौम्यता की प्रतिमूर्ति माना गया है। जॉन ग्रे की प्रसिद्ध पुस्तक 'पुरुष मंगल से हैं, स्त्रियां शुक्र से', इस बात की पुष्टि करती है। मतलब स्त्रियां सौम्य और कोमल स्वभाव की होती हैं। आमतौर पर परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल की भूमिका निभाती हैं। लेकिन आज सामाजिक परिवेश ही नहीं, व्यक्तिगत सोच भी तेजी से बदल रही है। स्त्रियां अब केवल 'वीनस' यानी अपनी सौम्य और पारंपरिक छवि से बाहर ही नहीं निकल रही हैं। वे मंगल यानी साहस और नेतृत्व के गुणों को भी अपना चुकी हैं। स्त्रियों की छवि अब केवल त्याग की प्रतिमूर्ति वाली नहीं रही, अब उनकी पहचान एक निर्णय लेने वाली, आत्मविश्वास से भरी स्त्री के रूप में उभरी है। पहले स्त्रियों को केवल 'देखभाल' और 'ममता' से जोड़कर देखा जाता था। आज उनकी छवि 'अल्फा फी-मेल' की है, जो घर और ऑफिस दोनों मोर्चों पर नेतृत्व करती हैं। अब वे केवल एक 'सपोर्ट सिस्टम' नहीं, बल्कि 'सिस्टम' चलाने वाली बन गई हैं।

स्वयं की पहचान पहले

आधुनिक स्त्रियों की आदतों में एक बड़ा बदलाव यह आया है कि वे दूसरों की जरूरतों से पहले अपने आत्म-सम्मान और करियर को प्राथमिकता देने लगी हैं। आज स्त्रियों के लिए उनकी अपनी पहचान किसी भी रिश्ते से ऊपर है। वे खुद को खोकर किसी रिश्ते को बचाने के पक्ष में नहीं हैं। इससे पारंपरिक ढांचे से अलग 'जेंडर रोल्स' यानी लिंग आधारित भूमिकाएं अब अप्रासंगिक हो रही हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता का प्रभाव

महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों के समीकरण बदल दिए हैं। अब वे केवल सुरक्षा के लिए रिश्तों में नहीं रहतीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव को प्राथमिकता देती हैं। खर्च करने और निवेश करने की आदतों में महिलाएं अब पुरुषों पर निर्भर नहीं हैं। वे अपनी वित्तीय योजनाएं खुद बनाती हैं, जो उनकी बढ़ती आत्मनिर्भरता का द्योतक है। अपनी कमाई को अपनी पसंद पर खर्च करना और अपने सपनों जैसे अकेले यात्रा करना या शौक पूरे करने के लिए समय निकालना उनकी जीवनशैली में शामिल हो गया है।

भावनात्मक अपेक्षाएं

आज की स्त्रियां अपने साथी से केवल घर चलाने में मदद नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्तर पर गहरी समझ और साझेदारी की उम्मीद करती हैं। बदलते सामाजिक ढांचे के कारण पुरुषों और स्त्रियों के बीच जो 'एक्सपेक्टेशन गैप' यानी अपेक्षाओं का अंतर पैदा हुआ है, उसे समझना ही सुखद जीवन की कुंजी है।

संचार का नया तरीका

आज की स्त्रियों के लिए संवाद केवल समस्याओं को सुलझाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तिगत स्पेस को परिभाषित करने के लिए भी जरूरी हो गया है। आज स्त्री-पुरुष के बीच समानता के भाव आपसी टकराव की समस्या का निदान है। रिश्तों में 'शक्ति प्रदर्शन' के बजाय 'समान भागीदारी' ही वह रास्ता है, जिससे 'वीनस' और 'मार्स' के बीच की दूरी कम की जा सकती है। स्त्रियां अब 'मौन' रहने के बजाय, अपनी बात मुखरता से रखना पसंद करती हैं। रिश्तों में अपनी सीमाओं को तय करना अब उनकी आदत बन गई है।

पारिवारिक समीकरणों में बदलाव

आज की महिलाएं घर के कामों को केवल 'अपनी जिम्मेदारी' समझने के बजाय इसे साझा जिम्मेदारी के रूप में देखती हैं, परिवार के सदस्यों में काम के बंटवारे की मांग करती हैं। घर और करियर के बीच संतुलन बनाना अब केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक साझा पारिवारिक प्रयास है। अपनी पसंद-नापसंद को स्पष्ट रूप से कहना अब जरूरी माना जाने लगा है। वे अब रिश्तों में 'एडजस्टमेंट' के नाम पर अपने अस्तित्व से समझौता नहीं करना चाहतीं।

सोशल नेटवर्किंग से जुड़ाव

आज की स्त्रियों की आदतों में डिजिटल साक्षरता और सोशल नेटवर्किंग शामिल हो गई है। वे दुनिया भर की जानकारियों से अपडेट रहती हैं, जिससे उनकी सोच का दायरा बंधी सीमाओं को पार कर गया है।

अपेक्षाओं का नया स्तर

आज की स्त्रियां जीवन साथी से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक और मानसिक बराबरी की उम्मीद करती हैं। उनकी अपेक्षाएं अब पारंपरिक मानदंडों से कहीं अधिक ऊंची हैं। पहले वे छोटे-बड़े फैसलों के लिए पुरुष पर निर्भर रहती थीं। आज अधिकांश महिलाएं महत्वपूर्ण निर्णय खुद ले रही हैं।

स्वास्थ्य के प्रति सजगता

अपनी सेहत को नजरअंदाज करने की पुरानी आदत को छोड़कर, अब महिलाएं योग, जिम और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही हैं। अब कोई महिला 'जीरो फिगर' के पीछे भागने के बजाय 'मजबूत शरीर' और 'सक्रिय जीवनशैली' को अपनी आदत बना रही है। उसके लिए फिटनेस अब सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि शक्ति के लिए है।

भावनात्मक आत्मनिर्भरता

पहले स्त्रियों को भावनात्मक रूप से कमजोर माना जाता था। आधुनिक स्त्रियां अब अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने अपनी आदतों में 'सेल्फ-लव' और मानसिक मजबूती को शामिल कर लिया है। पारंपरिक बेड़ियों का त्याग करके वे अब उन आदतों और रीति-रिवाजों को चुनौती दे रही हैं, जो उसकी प्रगति में बाधक हैं। पितृसत्तात्मक सोच को नकारने में वे अब हिचक नहीं रही हैं।

करियर और महत्वाकांक्षा

आज की स्त्रियों के लिए अब काम करना केवल समय बिताने का जरिया नहीं, बल्कि उनकी पहचान का हिस्सा है। उनकी आदतों में अब 'नेटवर्किंग', 'कौशल विकास' और 'वैश्विक प्रतिस्पर्धा' प्राथमिकता पर हैं। आधुनिक स्त्रियों ने अपनी आदतों में 'डेलिगेशन' (काम सौंपना) सीख लिया है। वह हर काम खुद करके थकने के बजाय तकनीक और संसाधनों का स्मार्ट उपयोग कर रही हैं। कहने का सारांश यही है कि आज की स्त्रियां आत्मनिर्भर हो रही हैं, अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए वे पूरी तरह जागरूक हैं।

कभी-कभी गुस्सा, चिंता, उदासी, डर, अपराधबोध और आत्ममुग्धता जैसी नकारात्मक भावनाएं भी हमें सही दिशा देकर सफलता और सुखी जीवन की राह पर लाती हैं। इस बारे में जानिए।

कभी-कभी नकारात्मक भाव भी आपके लिए हो सकते हैं फायदेमंद

मनोभाव

अंजू जैन

यह बात पूरी तरह सच नहीं है कि केवल सकारात्मक भावनाएं ही जीवन में सफलता लाती हैं। कई बार बुरा वक्त और गुस्सा, चिंता, डर और अपराधबोध जैसी 'नकारात्मक भावनाएं' भी सफलता और विकास के लिए शक्तिशाली उपकरण साबित होती हैं। अपने पूरे व्यक्तित्व को स्वीकार करना सफलता और संतुष्टि के लिए जरूरी है। समय-समय पर दुनिया भर के मनोविज्ञानियों, व्यवहार विशेषज्ञों और समाजशास्त्रियों द्वारा किए गए अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि नकारात्मक बातें भी हमारे लिए उपयोगी साबित होती हैं, कैसे जानिए-

गुस्से की शक्तिः गुस्सा हमेशा बुरा नहीं होता। यह वो ऊर्जा है, जो हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की शक्ति देता है। जब हम किसी बात पर गुस्सा होते हैं, तो हमारा शरीर सक्रिय हो जाता है। गुस्से को यदि सही ढंग से इस्तेमाल किया जाए, तो यह अपनी सेल्फ रेस्पेक्ट की रक्षा करने और समस्याओं को हल करने में ईंधन का काम करता है। गुस्सा हम में अधिकार की भावनाओं को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

चिंता एक रक्षा तंत्र हैः चिंता हमें संभावित खतरों के प्रति सचेत करती है, विपरीत परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। चिंता के वक्त हम अपने विभिन्न सहायता सूत्रों और अपनी छिपी हुई प्रतिभा का पता लगाने में सक्षम हो जाते हैं।

अपराधबोध सुधार का मार्ग हैः अपराधबोध हमें अपनी गलतियों को सुधारने और एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करता है। जब हमें अपराधबोध होता है, तो हम अपने व्यवहार को सुधारने और दूसरों के साथ संबंध ठीक करने की कोशिश करते हैं। यह हमें नैतिक बनाए रखने में भी मदमदगार होता है।

ऊब-उदासी-दुःख से सीखः उदासी या ऊब जैसी असहज भावनाएं हमें अधिक विचारशील, साहसी और दूसरों के प्रति दयालु बनाने में मदद कर सकती हैं। अपने 'अंधेरे पक्ष' को दबाने के बजाय उसका उपयोग करके हम एक अधिक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। सच्चा व्यक्तिगत विकास तब होता है, जब हम असहज स्थितियों जैसे ऊब, दुःख या अकेलेपन का सामना करते हैं। ऊब हमें कुछ नया खोजने के लिए प्रेरित करती है, जबकि दुःख हमें गहराई से सोचने और दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने में मदद करता है।

डर है सुरक्षा गार्ड जैसाः रॉबर्ट बिस्वास-डाइनर और टॉड काशदान द्वारा लिखित पुस्तक 'द अपसाइड ऑफ योर डार्क साइड' में बताया गया है कि डर को खत्म करने के बजाय इसे एक ईंधन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। डर हमें गलतियों के प्रति सतर्क रखता है। आप चाहें तो 'डिफेंसिव पेसिमिज्म' का उपयोग कर सकती हैं। यह एक मनोवैज्ञानिक तकनीक है, जिसमें हम जानबूझकर सबसे खराब स्थिति की कल्पना करते हैं। जैसे खुद से पूछें, 'अगर मैं फेल हो गया तो सबसे बुरा क्या होगा?' जब आप सबसे बुरे परिणाम का अंदाजा लगाकर इससे निपटने की योजना बना लेती हैं, तो आपका दिमाग शांत हो जाता है, क्योंकि अब आपके पास एक 'प्लान बी' है। यह आपको निडर होकर काम करने की शक्ति देता है।

आत्ममुग्धता के लाभः माना कि अत्यधिक आत्ममुग्धता बुरी है, लेकिन संतुलित रूप से आत्ममुग्धता स्वस्थ आत्मविश्वास के रूप में काम करती है। थोड़ा-सी आत्ममुग्धता व्यक्ति को साहसी बनाती है, जिससे वह भीड़ से अलग हटकर अपनी बात रख पाता है और कठिन नेतृत्व वाली भूमिकाएं निभाने में सक्षम होता है। आत्ममुग्धता के कुछ लक्षण व्यक्ति को अधिक उत्पादक, रचनात्मक और महत्वाकांक्षी बना सकते हैं।

अभिभावकों द्वारा कभी बच्चों को गुस्से में कहे गए शब्द, उनके मन में ऐसी खरोंच छोड़ जाते हैं, जिसके घातक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है, बच्चों से कभी कुछ ऐसा ना बोलें, जो उनके दिल को गहरी चोट पहुंचाए, वे अपमानित महसूस करें।

बालमन पर न पड़े शब्दों की खरोंच..

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

अभिभावक हर हाल में अपने बच्चों की बेहतरी ही चाहते हैं। उनके भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। एक ही परिवार के सदस्य होने के नाते माता-पिता बच्चों से औपचारिक संवाद भी नहीं करते। उनकी बातें ज्यादातर स्पष्ट और सीधी होती हैं। समस्या यह है कि कई बार सीधे-सीधे कह दिए गए कुछ शब्द बच्चों के मन में गहरे घाव कर जाते हैं। हाल में हुई एक दुःखद घटना में कानपुर के चौबीस वर्षीय युवा का सुसाइड नोट पिता के कहे कुछ शब्द दिल में बसी निरादर यादें बनकर रह जाने का ही मामला है। उसने अपने सुसाइड नोट में पिता के अत्यधिक कठोर बर्ताव और बचपन के टॉर्चर को मौत की वजह बताया। बचपन में छोटी-छोटी गलतियों पर पिता की मार और मार्क्स कम आने पर घर से निकालने की धमकियां उसके लिए बहुत कड़वी यादें बन गई थीं।

अपमान के घावः आमतौर पर बड़े सोचते हैं कि बच्चों को मान-अपमान का बर्ताव समझ में नहीं आता। सहज आक्रोश हो या तीखी बहस, बड़े बहुत कुछ बोलकर भूल जाते हैं। जबकि ऐसे ताने-उलाहने बच्चों के मन पर सदा के लिए अंकित हो जाते हैं। जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही अभिभावकों से भावनात्मक रूप से दूर हो जाते हैं। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों से उनका आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है। दुनिया के सबसे सुंदर रिश्ते में भी बच्चे असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। जिन शब्दों को कहकर हम बड़े भूल जाते हैं, बच्चे याद रखते हैं। न केवल याद रखते बल्कि याद दिलाते भी हैं, 'आपने तो ऐसा कहा था ना!' आमतौर पर इंसान मन दुःखाने वाली बातों को कभी नहीं भुला पाता। बच्चों का मन तो और कोमल होता है। उपेक्षा, अपमान और उपहास बहुत शिद्दत से याद रखता है। कानपुर का उक्त मामला बताता है कि अभिभावक अपने शब्दों को जरा सधकर इस्तेमाल करें। अपनी शिकायत हो या समझाइश, थोड़ा ठहराव बरतें।

इरादे पर भारी इमोशनः कहे गए शब्दों से आहत होकर सुसाइड करने, घर छोड़ने या अपने अभिभावकों से दूरी बना लेने के मामले आए दिन सामने आते हैं। अभिभावक भी ऐसा कुछ होने पर उलझन में पड़ जाते हैं, क्योंकि उनका इरादा अपने बच्चे के मन को ठेस पहुंचाने का नहीं होता। कभी परिस्थितिवश भी बहुत कुछ कह बैठते हैं तो कभी लहजा सख्त हो जाता है। समझना जरूरी है कि बच्चे, बड़ों के मन में छिपे इमोशंस को नहीं देख पाते। अभिभावकों के भले इरादे पर भी बालमन की आहत भावनाएं भारी पड़ जाती हैं। वे अभिभावकों को सबक सिखाने की बात सोचने लगते हैं। इसी इमोशनल बहाव में कोई पीड़ादाई कदम उठा लेते हैं। कई बार उम्र के एक पड़ाव को पार करने के बाद बच्चे अपने मन में दबे इस अपमान और दुःख को और गहराई से महसूस करते हैं। अभिभावकों का हर बात में कंट्रोल करना और स्नेह नहीं जताना, बच्चों को जिंदगी के प्रति उदासीन बना देता है। इसीलिए अभिभावकों की मंशा ही नहीं मनोबल बढ़ाने या तोड़ने वाले शब्द भी मायने रखते हैं।

दूसरों की मौजूदगी का दंशः कड़वे शब्दों के साथ अगर उपहास और बेइज्जती भी जुड़ जाए तो यह दिल में कील की तरह धंस जाता है। दूसरों की मौजूदगी में किया गया अपमान बहुत गहरी टीस बन जाता है। इस युवा ने भी सुसाइड नोट में लिख छोड़ा है कि मोहल्ले और घर के बाहर अपशब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने की पीड़ा उसे आज भी थी। आमतौर पर हमारे परिवारों में बड़े भी एक-दूसरे से यह कहते दिखते हैं कि 'यह बात मुझे अकेले में कहते।' फिर घर के बड़े बच्चों को कुछ कहते-समझाते हुए यह बात क्यों भूल जाते हैं? अभिभावक घर के बाहर डांटने-डपटने की गलती तो बिल्कुल न करें। अभिभावकों को समझना होगा कि बालमन पर शब्दों की खरोंच न पड़े।

हेयर मास्क से मानसून में बाल रहेंगे हेल्दी

हेयर केयर

नैंसी गुप्ता

बारिश का मौसम बालों के लिए कई समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने के कारण बाल रूखे, बेजान और फ्रिजी हो सकते हैं। साथ ही स्कैल्प में पसीना और गंदगी जमा होने से डैंड्रफ, खुजली और बाल झड़ने जैसी परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू हेयर मास्क की मदद से मानसून में भी बालों की चमक और मजबूती बनाए रखी जा सकती हैं। बारिश के मौसम में बालों की देखभाल के लिए कुछ प्रभावी घरेलू हेयर मास्क के बारे में यहां बता रहे हैं।

दही-शहद का हेयर मास्कः मानसून में बालों में नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है। दही और शहद का मिश्रण बालों को गहराई से पोषण देने का काम करता है। इसके लिए दो चम्मच दही में एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट तैयार करें और बालों की लंबाई पर लगाएं। लगभग 20 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। यह मास्क बालों को मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करता है।

करी पत्ता-नारियल तेल मास्कः करी पत्ता बालों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। कुछ करी पत्तों को पीसकर नारियल तेल में मिलाएं और इस मिश्रण को बालों की जड़ों पर लगाएं। इससे उन्हें पोषण मिलेगा।

केला-नारियल तेल मास्कः बारिश के मौसम में फ्रिजी बालों की समस्या आम होती है। इसे कम करने के लिए पके हुए केले में एक चम्मच नारियल तेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस मिश्रण को बालों पर 25 से 30 मिनट तक लगाकर रखें। इसके बाद बालों को धो लें। यह मास्क बालों को स्मूद बनाने के साथ-साथ उनकी प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाता है।

एलोवेरा-दही का मास्कः यदि स्कैल्प में खुजली या डैंड्रफ की समस्या हो रही है, तो एलोवेरा और दही का हेयर मास्क फायदेमंद हो सकता है। दो चम्मच ताजा एलोवेरा जैल में दो चम्मच दही मिलाकर स्कैल्प और बालों पर लगाएं। यह मिश्रण स्कैल्प को ठंडक पहुंचाता है और बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

मेथी-दही का मास्कः रातभर भिगोई हुई मेथी को पीसकर उसमें दही मिलाएं और बालों की जड़ों में लगाएं। लगभग आधे घंटे बाद बाल धो लें। यह मास्क बालों के झड़ने को कम करने और जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

(हेयर एक्सपर्ट ऐशानी वर्मा से बातचीत पर आधारित)

आप वर्किंग वूमेन हों या फिर हाउसवाइफ, अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान देना चाहिए। आपका बेली फैट न बढ़े, इसके लिए आप कुछ ईजी एक्ससाइज को अपनी रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

ईजी एक्सरसाइज से बेली फैट होगा कम

सजेशन

निधि गोयल

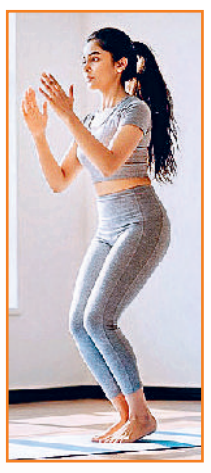

आज के दौर में कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वूमेन तक और हाउसवाइफ भी अपनी फिगर को फिट रखना चाहती हैं। यह जरूरी भी है क्योंकि इससे न केवल आप एनर्जेटिक फील करती हैं, हर तरह की ड्रेस पहन सकती हैं। फिट फिगर को मेंटेन करने में महिलाओं के लिए कॉमन प्रॉब्लम बेली फैट होता है। इसे कंट्रोल करने के लिए रेग्युलर एक्सरसाइज करना जरूरी है। अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है तो भी कुछ एक्ससाइज से आप अपने बेली फैट को कम कर सकती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

तेज चाल से वॉकिंगः रोजाना कुछ मिनट तेज चाल से वॉकिंग या रनिंग से सबसे जल्दी बेली फैट कम होता है। सो आप रोज सुबह, घर के बाहर किसी पार्क में या फिर सड़क किनारे तेज वॉकिंग कर सकती हैं। यदि वर्किंग हैं तो शाम को या फिर सुबह जल्दी उठकर तेज गति से वॉकिंग जरूर करें। कम से कम तीस से पैंतालीस मिनट की डेली फास्ट स्पीड वॉकिंग आपके बेली फैट को कम करने में बहुत कारगर है।

माउंटेन क्लाइंबर्सः माउंटेन क्लाइंबर्स एक्सरसाइज में आपको जमीन पर उलटे हाथ के पंजो और पैर के पंजों के बल पर शरीर को उठाना होता है। इसके साथ तेजी से घुटनों को एक-एक करके आगे पीछे करना होता है। इसे भी तीन सेट में आपको करना चाहिए। इससे पेट और कोर मसल्स को मजबूती मिलती है और पेट की चर्बी कम होने लगती है। इससे बेली टोंड दिखने लगता है।

प्लैंकः जब आप अपना एक्सरसाइज रूटीन खत्म कर लें, खासकर जंपिंग जैक्स के बाद, आप कुछ मिनट प्लैंक जरूर करें। दरअसल, हार्ड वर्कआउट से शरीर गर्म हो जाता है और प्लैंक करते ही पेट पर इसका सीधा असर पड़ता है। ऐसा रोज करने से बेली फैट तेजी से कम होता है और उसकी मसल्स में टोनिंग आ जाती है। इसे करने के लिए आपको पेट के बल लेटकर हथेलियों और पैर के पंजे के बल पर शरीर को ऊपर उठाना होता है। ज्यादा से ज्यादा समय तक ऊपर रोककर रखना होता है। हर बार जितना संभव हो स्टे टाइम को बढ़ाते रहना होता है।

जंपिंग जैक्सः बेली फैट को कम करने के लिए जंपिंग जैक्स एक्सरसाइज भी बेहद फायदेमंद है। इसे तीन सेट में करना चाहिए। आरंभ में आप 15-15 स्टेप्स के तीन सेट में यह एक्सरसाइज करें। जंपिग जैक्स करने से पूरी बॉडी की एक्सरसाइज होती है लेकिन इससे पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। यह एक्सरसाइज आप घर में कहीं भी खुली जगह में कर सकती हैं।

इन बातों पर ध्यान दें: जंक फूड खाने से बचें, ज्यादा से ज्यादा सलाद और फल खाएं। चीनी, कोल्ड ड्रिंक का सेवन कम करें। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। तली-भुनी चीजें कम से कम खाएं।

(फिटनेस इंस्ट्रक्टर राहुल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

ग्रामीण बोले- रात को बेरी या झज्जर के अस्पताल कर दिया जाता है रेफर

दूबलधन सीएचसी में आपातकालीन सेवा न मिलने से नाराज लोगों ने दिया धरना

दूबलधन के आसपास के दर्जनों गांवों की बड़ी आबादी इस सीएचसी पर निर्भर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। सीएचसी परिसर में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी व प्रबुद्धजन।

क्षेत्र के गांव दूबलधन स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध न होने से नाराज ग्रामीणों ने सोमवार को अस्पताल परिसर के बाहर धरना प्रदर्शन किया। जिला पार्षद प्रतिनिधि कृष्ण उर्फ फोर्ड, रविंद्र कौशिक, भाकियू जिला अध्यक्षा ममता कादियान, तेजबीर बाघपुर, सरपंच जगपाल, ब्लॉक समिति चेयरमैन प्रतिनिधि प्रशांत, पंच अजीत, जितेंद्र, सरपंच प्रतिनिधि नीरज, गौरव, जयभगवान, सूरजभान आदि जनप्रतिनिधियों ने कहा कि दूबलधन और आसपास के दर्जनों गांवों की बड़ी आबादी इस सीएचसी पर निर्भर है।

यहां चिकित्सकों और सुविधाओं की कमी बनी हुई है। दुर्घटना, प्रसव व अन्य गंभीर मामलों में समय पर उपचार न मिलने से मरीजों की जान जोखिम में पड़ जाती है। ग्रामीणों का आरोप है कि रात के समय मरीजों को उपचार नहीं मिल पाने के चलते उन्हें बेरी या झज्जर के अस्पताल रेफर कर दिया जाता है।

ग्रामीणों ने सीएचसी में 24 घंटे आपातकालीन सेवाएं शुरू करने, पर्याप्त डॉक्टरों व स्टाफ की नियुक्ति, अल्ट्रासाउंड मशीन और आवश्यक चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने व अस्पताल को पीजीआई स्तर की स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने की मांग की उठाई। सूचना मिलने पर स्वास्थ्य विभाग से उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुलदीप मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से बातचीत की।

मिला आश्वासन

उन्होंने लिखित रूप में जल्द आपातकालीन सेवाएं शुरू कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद जिला पार्षद और ग्रामीणों ने धरना समाप्त करने की घोषणा की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगें समय रहते पूरी नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

लंबित मांगों को लेकर आशा वर्कर्स आज करेंगी प्रदर्शन

झज्जर। आशा वर्कर यूनियन की बैठक सोमवार को जिला प्रधान किरण की अध्यक्षता में हुई। मंच संचालन जिला सचिव प्रवेश द्वारा किया गया। संगठन की जिला प्रधान किरण ने बताया कि लंबे समय से आशा वर्कर्स के ऊपर नए-नए कामों का दबाव बढ़ता जा रहा है। महंगाई आसमान छू रही है। राज्य व केंद्र की सरकार द्वारा आशा वर्कर के वेतन में कोई बढ़ोतरी नहीं की जिस कारण उनमें रोष है। जिला सचिव प्रवेश ने बताया कि मंगलवार को लघु सचिवालय पहुंच कर आशा वर्कर्स द्वारा रोष प्रदर्शन किया जाएगा। सभी आशाएं डीसी कार्यालय परिसर स्थित ग्रीन बेल्ट में एकत्रित होंगी। प्रदर्शन के बाद डीसी के माध्यम से सरकार को रैली का नोटिस व अपनी लंबित मांगों संबंधी मांगपत्र भी सौंपा जाएगा। बैठक में 21 जुलाई को पंचकूला स्थित एनएचएम निदेशक कार्यालय पर होने वाली राज्यस्तरीय रैली तथा 10 अगस्त को जिला स्तर पर प्रस्तावित जेल भरो आंदोलन की तैयारियों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। ये है मुख्य मांगें : आशा वर्कर्स की मुख्य मांगों में आशाओं को दिए जा रहे मानदेय में वृद्धि करना, केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 में घोषित 1500 रुपये की मानदेय वृद्धि को तुरंत लागू करना, ऑनलाइन काम को बंद किया जाए, लंबित मांगों की लगातार की जा रही अनसुनी को बंद किया जाए, आरोग्य मंदिर एप 2024 के साथ-साथ, टीबी व पोलियो ड्यूटी के काम का भुगतान किया जाना शामिल है। यूनियन ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि समय रहते इन मुख्य मांगों को पूरा नहीं किया गया, तो 21 जुलाई की पंचकूला रैली के बाद 10 अगस्त को जिला स्तर पर जेल भरो आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

झज्जर। बैठक के दौरान रणनीति बनाते हुए आशा वर्कर।

ड्राइंग प्रतियोगिता में पायल प्रथम और हिमानी द्वितीय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

■ विद्यार्थियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा कैमब्रिज इंटरनेशनल स्कूल बिरड़ में पौधारोपण एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आठवीं से बारहवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा उनकी रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना रहा। विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया और ड्राइंग प्रतियोगिता के माध्यम से हरित एवं स्वच्छ भारत की परिकल्पना को चित्रों में उकेरा।

कार्यक्रम का संचालन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक दीपक तथा एनआईएस कोच नवीन ने किया। उन्होंने विद्यार्थियों को पौधारोपण के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने का संदेश दिया। इस दौरान आयोजित ड्राइंग प्रतियोगिता में ग्यारहवीं कक्षा की पायल ने प्रथम, हिमानी ने द्वितीय तथा दसवीं कक्षा के हर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कैमब्रिज ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स के चेयरमैन शरद यादव व प्राचार्य प्रदीप नेहरा ने प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करती हैं।

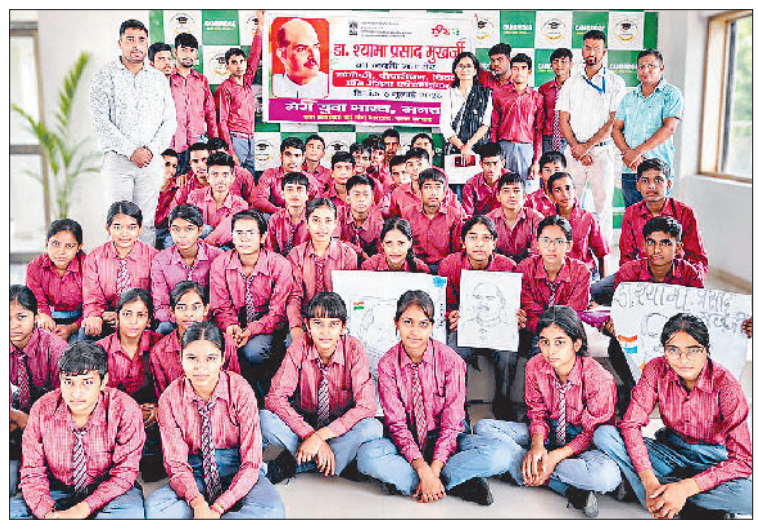

लोगों को दी जानवरों से फैलने वाली बीमारियों की जानकारी

झज्जर। विश्व जूनोसिस दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को स्थानीय नागरिक अस्पताल में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर लोगों को जानवरों से इंसानों में फैलने वाली संक्रामक बीमारियों के खतरे, उनके बचाव और रोकथाम के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर यशपाल मोमिया ने की। कार्यक्रम में नर्सिंग अधिकारी कविता गुलिया ने लोगों को बताया कि विश्व जूनोसिस दिवस आधुनिक सूक्ष्म जीव विज्ञान के जनक महान फ्रांसीसी वैज्ञानिक लुई पाश्चर की याद में 6 जुलाई 1985 से हर साल मनाया जाता है। इस दौरान डॉक्टर यशपाल मोमिया ने जानवरों से होने वाली रेबिज, इंफ्लूएंजा, प्लेग, कोविड आदि बीमारियों से सतर्क रहने के उपायों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लोगों में जागरुकता सामग्री का वितरण भी किया गया। इस मौके पर फार्मेसी ऑफिसर शालू रानी, प्रियंका, प्रतिभा, कोमल, मोनिका, नवीन, विकास, सचिन सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

किसान-मजदूरों की समस्याओं को लेकर चलाया जन संपर्क अभियान

■ आंदोलन में भागीदार बनने के लिए किया आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के कार्यकर्ताओं ने गांव सराय औरंगाबाद में जन जनसंपर्क अभियान चलाया। घर-घर जाकर लोगों को किसानों और मजदूरों की ज्वलंत समस्याओं तथा उनके मूल कारणों से अवगत कराया।

संगठन के प्रदेश कमेटी सचिव जयकरण मांडोठी व जिला कमेटी सदस्य रामकिशन ने बताया कि केंद्र व प्रदेश सरकारें लगातार खेतों तथा उद्योगों में मेहनत करने वाले किसानों व मजदूरों व अन्य लोगों के हित में नीतियां ना बनाकर पूंजीपतियों के हित में काम कर रही हैं। जिस कारण देश में गरीब अमीर का अंतर बढ़ रहा है और महंगाई बढ़ती ही जा रही है। उन्होंने विभिन्न मांगों को लेकर लगातार चल रहे आंदोलन में भागीदार बनने तथा इसके लिए गांव-गांव में अपनी संघर्ष कमेटियों के गठन करने का लोगों से आह्वान किया। कच्चे तेल के दाम 120 डॉलर प्रति बैरल से घटकर 70 डॉलर प्रति बैरल से भी कम होने पर केंद्र सरकार से उसी अनुपात में कीमतें कम करने की मांग की।

बहादुरगढ़। अभियान को लेकर जनसंपर्क करते जयकरण मांडोठी।

मैनुअल स्कैवेंजिंग समाप्त करना प्रशासन की प्राथमिकता: उपायुक्त

■ सफाई कर्मचारियों को निर्धारित सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मैनुअल स्कैवेंजिंग जैसी अमानवीय प्रथा को पूरी तरह समाप्त करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। इस कार्य में किसी भी विभाग द्वारा लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यह बात डीसी वर्षा खांगवाल ने सोमवार को जिला स्तरीय मैनुअल स्कैवेंजर सर्वेक्षण समिति बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने मैनुअल स्कैवेंजिंग निषेध एवं पुनर्वास से जुड़े प्रावधानों तथा जिला में किए जा रहे सर्वेक्षण एवं सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले के सभी स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों तथा औद्योगिक इकाइयों में बने सेप्टिक टैंकों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान सभी सफाई कर्मचारियों को निर्धारित सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। इसके अलावा जिले में खुले पड़े सभी बोरवेलों को प्राथमिकता के आधार पर बंद कराया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की संभावना न रहे।

झज्जर। बैठक के दौरान दिशा निर्देश देते हुए डीसी वर्षा खांगवाल।

ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहा है बड़ा खतरा

सांखोल में पेयजल पाइपलाइन लीक, सप्लाई हो रहा दूषित पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

गांव सांखोल में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था गंभीर समस्या का सामना कर रही है। गांव में कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन लीक होने के कारण गंदा पानी सप्लाई में मिल रहा है, जिससे ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीण भगवान सिंह राठी का कहना है कि दूषित पानी के सेवन से बीमारियां फैलने की आशंका बनी हुई है। गांव में शौचालयों के सेप्टिक टैंकों का पानी टैंकरों से बाहर निकालने के बजाय कई स्थानों पर नालियों में छोड़ा जा रहा है, जिससे गंदगी फैल रही है और संक्रमण का खतरा बढ़ रहा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या की ओर ग्राम पंचायत भी पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है। पाइपलाइन लीकेज के कारण शुरू में काफी देर तक गंदा पानी आता है, जिसे लोग उपयोग नहीं कर पाते और वह नालियों में बह जाता है। पाइपलाइन की लीकेज ठीक कर दी जाएगी तो सभी को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा, बल्कि पानी की बर्बादी भी रुकेगी और गांव की गलियां भी साफ-सुथरी रहेंगी।

● गांव में शौचालयों के सेप्टिक टैंकों का पानी टैंकरों से बाहर निकालने के बजाय कई स्थानों पर नालियों में छोड़ा जा रहा है

बहादुरगढ़। सांखोल की नालियों में लीक होते पेयजल पाइप। फोटो : हरिभूमि

एडीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

झज्जर। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते हुए एडीसी जगनिवास। फोटो : हरिभूमि

झज्जर। सोमवार को आयोजित जिला स्तरीय समाधान शिविर में एडीसी जगनिवास ने आमजन की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को जल्द समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी एवं संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। समाधान शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए एक प्रभावी मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें विभिन्न कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें।

■ कोई भी शिकायत लंबित नहीं रखें : एडीसी

उन्होंने विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से उनके निस्तारण की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि कोई भी शिकायत अनावश्यक रूप से लंबित नहीं रहनी चाहिए तथा प्रत्येक मामले का निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।

पूर्व पार्षद ने सीएम के ओएसडी से मुलाकात कर रखीं समस्याएं

बहादुरगढ़। पूर्व पार्षद जसबीर सैनी ने मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा से मुलाकात कर बहादुरगढ़ के ताजा राजनीतिक हालात से उन्हें अवगत कराया। जसबीर के अनुसार बहादुरगढ़ में सिर्फ श्रेय लेने की होड़ मची हुई है। जबकि धरातल पर जनता की समस्याओं के समाधान के प्रति कोई गंभीरता नहीं दिखा रहा। कुछ लोगों के इशारे पर सीएम विंडो पर झूठी शिकायतें लगवाई जा रही है। धड़ल्ले से अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं। नई सड़कें बनने से पहले उखड़ रही हैं। नगर परिषद में भ्रष्टाचार चरम पर है। सीवर व्यवस्था चरमराई हुई है। लोगों को पीने का गंदा पानी मिल रहा है। दूसरों को सर्टिफिकेट बांटने में लगे नेताओं की वजह से बहादुरगढ़ में भाजपा का ग्राफ घटा है। सिर्फ अपने परिवार तक सीमित लोग जनप्रतिनिधि बनने के सपने देख रहे हैं। सरकार को इस विषय पर संज्ञान लेना चाहिए।

बहादुरगढ़। मुख्यमंत्री के ओएसडी वीरेंद्र बड़खालसा से शिकायत करते जसबीर सैनी।

एसआईआर: समय पर प्रक्रिया पूरी करना बना चुनौती

सहयोग के अभाव में बीएलओ की बढ़ीं मुश्किलें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

एसआईआर अभियान के तहत मतदाता सूची के सत्यापन का कार्य तेजी से चल रहा है, लेकिन मतदाताओं की ओर से अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने के कारण बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

कुछ लोगों को एसआईआर प्रक्रिया की गंभीरता की जानकारी नहीं है, वहीं कई लोग इसे टाल रहे हैं। इसका सीधा असर सत्यापन कार्य की गति पर पड़ रहा है। घर-घर जाकर गणना फॉर्म वितरित करने के बाद अब आवश्यक दस्तावेज और प्रपत्र एकत्र करने में लगे बीएलओ कई स्थानों पर लोगों के घर बंद मिलने, बार-बार चक्कर लगाने और समय पर फॉर्म जमा न होने जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। अधिकांश मतदाता अभी तक अपने गणना फॉर्म भरकर जमा नहीं कर पाए हैं, जबकि कई लोग आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। बीएलओ गोविंद का कहना है कि उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर कार्य पूरा करना है, लेकिन लोगों के सहयोग के अभाव में लक्ष्य हासिल करना कठिन होता जा रहा है। एक ही परिवार के पास दो-तीन बार जाना पड़ रहा है, जिससे समय अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

● अधिकांश मतदाता अभी तक गणना फॉर्म भरकर जमा नहीं कर पाए हैं

बहादुरगढ़। जटवाड़ा के बूथ पर सत्यापन कार्य जांचते नायब तहसीलदार। फोटो : हरिभूमि

मतदाता गंभीरता से लें

सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं नायब तहसीलदार प्रवीण कुमार ने मतदाताओं से अपील की है कि वे एसआईआर प्रक्रिया को गंभीरता से लें, समय पर गणना फॉर्म भरकर आवश्यक दस्तावेजों सहित अपने बीएलओ को उपलब्ध कराएं। यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन और त्रुटिरहित बनाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। यदि सभी मतदाता समय रहते सहयोग करें तो सत्यापन कार्य 14 जुलाई तक पूरा किया जा सकेगा।

एसआईआर अभियान को लेकर राजनीतिक दलों से मांगा सहयोग

झज्जर। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ एसआईआर प्रगति की समीक्षा करतीं उपायुक्त।

● 14 जुलाई तक जारी रहेगी तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 सितंबर को किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

मतदाता सूचियों के एसआईआर अभियान के तहत जिले में गणना प्रपत्र भरवाने के साथ ही डिजिटाइजेशन का कार्य निरंतर जारी है। मतदाता सूचियों के इस एसआईआर प्रक्रिया में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की भी अहम भूमिका है, ऐसे में इस प्रक्रिया को सभी ने मिलकर पूरा करना है। यह बात डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वर्षा खांगवाल ने एसआईआर अभियान में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों के साथ एएसडीडी वोटर और डिजिटाइजेशन कार्य की समीक्षा करते हुए कही। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि और बूथ लेवल एजेंट मतदाता सूचियों के एसआईआर अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि एएसडीडी-एब्सेंट, शिफ्टिड, डबल व डेथ वोटर की पहचान में बीएलओ का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि यह प्रक्रिया 14 जुलाई तक जारी रहेगी तथा अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 22 सितंबर को किया जाएगा।

विधायक ने चल रही 2.40 करोड़ की पेयजल परियोजना का लिया जायजा

वेंगी योजना से जाखोदा में 9 लाख के विकास कार्य शुरू

जून ने अधिकारियों को कार्य गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के दिए निर्देश

विधायक ने 8 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गली के निर्माण कार्य तथा एक लाख रुपये की लागत से प्रजापति समाज की धर्मशाला में शौचालय निर्माण कार्य का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। गांव जाखोदा में गली निर्माण का शुभारंभ करते विधायक राजेश जून। फोटो : हरिभूमि

गांव जाखोदा में विकास कार्यों को नई गति देते हुए विधायक राजेश जून ने विधायक आदर्श नगर एवं ग्राम योजना (वेंगी) के अंतर्गत लगभग 9 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का नारियल फोड़कर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने गांव में 2 करोड़ 40 लाख रुपये की लागत से चल रही पेयजल परियोजना कार्य का निरीक्षण कर अधिकारियों को कार्य गुणवत्ता और समयबद्ध तरीके से पूरा करने के निर्देश भी दिए।

विधायक राजेश जून ने 8 लाख रुपये की लागत से बनने वाली गली के निर्माण कार्य तथा एक लाख रुपये की लागत से प्रजापति समाज की धर्मशाला में शौचालय निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। ग्राम सरपंच राजबीर दलाल व ग्रामीणों ने फूलमालाएं पहनाकर उनका स्वागत करते हुए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

जाखोदा के प्रत्येक घर तक उपलब्ध होगा शुद्ध पेयजल : *विधायक ने कहा कि गांव में वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या के स्थाई समाधान के लिए 2.40 करोड़ की परियोजना के अंतर्गत नई पाइपलाइन और अन्य आवश्यक कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। परियोजना पूरी होने के बाद जाखोदा के प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। विधायक राजेश जून ने कहा कि सीएम नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन और सहयोग से बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्य लगातार गति पकड़ रहे हैं।*

बहादुरगढ़। एजेंसी के वाहन चालकों को जागरूक करते इंस्पेक्टर सतीश कुमार। फोटो : हरिभूमि

भारत गैस एजेंसी पर किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

यातायात थाना प्रभारी सतीश कुमार के नेतृत्व में भारत गैस एजेंसी में वाहन चालकों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एजेंसी संचालक सुशील छिल्लर ने झज्जर पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए वाहन न चलाने के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि सड़क पर थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदार नागरिक बनकर यातायात नियमों का पालन करना चाहिए। नशा मुक्ति का संदेश देते हुए उन्होंने बताया कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। उन्होंने सभी से नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने की अपील की।

एजेंसी संचालक सुशील बराही ने सभी से यातायात नियमों का पालन करने और नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया।

सर्वकल्याण सेवा समिति ने दान किया वाटर कूलर

झज्जर। सर्वकल्याण सेवा समिति बहादुरगढ़ द्वारा स्थानीय नागरिक अस्पताल के महिला प्रसूति गृह में मरीजों व तीमारदारों के उपयोग के लिए वाटर कूलर दान स्वरूप भेंट किया गया। समिति के अध्यक्ष विनय गोयल ने बताया कि समिति द्वारा नागरिक अस्पताल में पिछले वर्ष भी एक कूलर दान किया था। नागरिक अस्पताल बहादुरगढ़ में मरीजों के वेटिंग रूम में तीन सिलिंग फैन और एक कूलर का लोकार्पण भी किया जा चुका है। इस मौके पर महासचिव महावीर जांगड़ा, कोषाध्यक्ष रविन्द्र जून, सत्यपाल सिंह, राजकुमार अरोड़ा, अस्पताल प्रशासन की ओर से एमएस डॉ. गुरजीत सिद्धू, डॉ. सुरेंद्र कुमार, डॉ. यशपाल मोमिया आदि उपस्थित रहे।

बहादुरगढ़। जिला उपायुक्त से मिलते कोबी पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त से मिले कोबी पदाधिकारी औद्योगिक क्षेत्रों की समस्याएं बताईं

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

कॉन्फेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज के प्रतिनिधिमंडल ने जिला उपायुक्त वर्षा खांगवाल से मुलाकात की। कोबी अध्यक्ष प्रवीण गर्ग, संयुक्त सचिव सुरेंद्र वशिष्ठ, तिलक राज गर्ग, रवि चमड़िया, सत्यवीर हुड्डा, नरेंद्र सिंगला व गजेंद्र यादव आदि ने डीसी से विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों से संबंधित प्रमुख समस्याओं एवं विकासात्मक सुझावों को लेकर चर्चा की। डीसी ने सभी विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष कप्तान बिरधाना व अमित आदि मौजूद रहे।

पटौदी ट्रॉफी में झज्जर की लगातार चौथी जीत

बहादुरगढ़। शहर के सेक्टर-9ए स्थित मैदान पर खेली जा रही पटौदी ट्रॉफी में सोमवार को झज्जर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पानीपत को 6 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। झज्जर के लक्ष्य दलाल ने पहले बॉलिंग करते हुए 7.4 ओवर में 47 रन पर 4 विकेट लिए जबकि बैटिंग के दौरान 70 बॉल पर 98 रन बनाए। पहले बल्लेबाजी करते हुए पानीपत की टीम 33.4 ओवर में 244 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। टीम की ओर से विवेक रावल ने केवल 22 गेंदों में 64 रन की विस्फोटक पारी खेली। अर्जुन रावल ने 65 गेंदों पर 61 रन बनाए, जबकि धीरेंद्र शेरावत ने 23 गेंदों में 43 रन का योगदान दिया।

लक्ष्य दलाल

इसके उपरांत 245 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी झज्जर की टीम ने 37.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। झज्जर की जीत के नायक लक्ष्य दलाल रहे। उन्होंने पहले गेंदबाजी में 7.4 ओवर में 47 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए और इसके बाद बल्लेबाजी में 70 गेंदों पर शानदार 98 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। अमित दलाल ने भी 98 गेंदों पर 90 रन बनाकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ झज्जर की टीम ने टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए अपनी दावेदारी मजबूत कर दी।

जयदेव राठी और नितिन ने 150 किलोमीटर चलाई साइकिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

विभिन्न रनिंग और साइक्लिंग आयोजनों में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

विभिन्न रनिंग और साइक्लिंग आयोजनों में बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर बहादुरगढ़ का नाम रोशन किया। जयदेव राठी और नितिन ने बहादुरगढ़ से रोहतक, जींद और वापिस रोहतक व बहादुरगढ़ का लगभग 150 किलोमीटर का चुनौतीपूर्ण साइक्लिंग सफर सफलतावर्कक पूरा किया। नोएडा विंग्स मैराथन में आकाश मिश्रा ने 21 किलोमीटर दौड़ में ओवरऑल प्रथम स्थान हासिल किया। रोहित ने 30 किलोमीटर दौड़ में ओवरऑल प्रथम स्थान प्राप्त किया। शमशेर सिंह और राकेश छाबड़ा ने भी सफलतापूर्वक अपनी दौड़ पूरी की। फोर्टिस नोएडा 10 किलोमीटर रन में सुधीर तेवतिया ने भीषण गर्मी और उमस के बीच 44 मिनट का नया पर्सनल बेस्ट बनाते हुए ओवरऑल चौथा स्थान तथा अपनी आयु वर्ग में प्रथम स्थान हासिल किया। फिट इंडिया मूवमेंट के तहत जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में सुनील सिकरी ने फिटनेस का संदेश दिया। बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर ने सभी खिलाड़ियों को उनकी शानदार उपलब्धियों पर बधाई देते हुए कहा कि बीआरजी समाज को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है।

बहादुरगढ़। नोएडा में हुई दौड़ के बाद विजेता बीआरजी सदस्य। फोटो : हरिभूमि

जिले के विद्यालयों में चलेगा पॉक्सो एक्ट जागरूकता अभियान

झज्जर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के विभिन्न विद्यालयों में बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट), 2012 के प्रावधानों एवं इसके निहितार्थों के संबंध में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

अभियान के तहत जिले के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में पैरा लीगल वालंटियर्स द्वारा जागरूकता शिविर आयोजित किए जाएंगे। यह जानकारी सीजेएम एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विशाल ने दी। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों, बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा तथा कानूनी संरक्षण के संबंध में जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जागरूकता कार्यक्रमों के दौरान पैरा लीगल वालंटियर्स चिन्हित विद्यालयों में विद्यार्थियों को बाल यौन अपराधों से बचाव, शिकायत प्रक्रिया, निःशुल्क कानूनी सहायता तथा बच्चों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी देंगे।

बहादुरगढ़। श्रीओम अहलावत के निधन पर शोक जताते भूपेंद्र हुड्डा।

पूर्व सीएम ने अहलावत को दी श्रद्धांजलि

बहादुरगढ़। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा सोमवार को बहादुरगढ़ पहुंचकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीओम अहलावत के निधन पर उनके परिजनों से मिले और गहरा शोक व्यक्त किया। विदित है कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्रीओम अहलावत का 30 जून को बीमारी के बाद निधन हो गया था। उनके निधन से कांग्रेस कार्यकर्ताओं और क्षेत्र के लोगों में शोक की लहर है। सोमवार को उनके निवास पर पहुंचे भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि ओम अहलावत लंबे समय तक कांग्रेस संगठन और जनसेवा से जुड़े रहे। सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में उनका योगदान सदैव याद रखा जाएगा। इस दौरान प्रो. वीरेंद्र सिंह ने भी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

एम्स बीएससी नर्सिंग में पेस संस्थान की छात्रा महक ने हासिल किया 42वां रैंक

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

एम्स बीएससी नर्सिंग के घोषित परिणामों में पेस संस्थान की छात्रा महक ने ऑल इंडिया रैंक 42 हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। ओबीसी वर्ग में महक का 21वां रैंक रहा। पेस ग्रुप के निदेशक जय विकास ने बताया कि इसके अलावा हिमांशी ने 9450, भूमिका ने 12780 तथा चेष्टा ने 14424 रैंक के साथ परीक्षा उत्तीर्ण की। उनके संस्थान के छह विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि महक ने इसी वर्ष जेईई मेन्स में 98.6 परसेंटाइल, नीट में 648 अंक भी हासिल किए थे। परिणाम घोषित होने के बाद संस्थान में महक का सम्मान किया गया। महक ने अपनी सफलता का श्रेय पेस ग्रुप के अनुशासित वातावरण, नियमित टेस्ट, अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन और निरंतर मोटिवेशन को दिया। मौके पर चेयरमैन युद्धवीर, मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप, हरीश, सुमित चावला, अश्वनी आदि ने चयनित विद्यार्थियों के बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। होनहार छात्रा महक के साथ विजय चिन्ह बनाते हुए संस्थान निदेशक जय विकास व अन्य। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
बहादुरगढ़ : सूरजमल वाली गली, गणपति ट्रैवलर्स के ऊपर, नजदीक टैक्सी स्टैंड, बहादुरगढ़
झज्जर :- पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, झज्जर
फोन : 8295738500, 8814999142, 8295157800, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
झज्जर : हरिभूमि कार्यालय, पुराना बर्फ खाना रोड, शिव चौक, फोन : 8295876400
बहादुरगढ़ : सुरजमल वाली गली, रोहतक रोड, गणपति ट्रैवल्स के ऊपर, 8295852900

अधिकारियों व कर्मचारियों ने 250 पौधे लगाकर ली पर्यावरण संरक्षण की शपथ

एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाकर मेट सिटी झज्जर में किया पौधरोपण

- मेट सिटी में पिछले पांच वर्षों के दौरान एक लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

वन महोत्सव के अवसर पर रिलायंस मेट सिटी की ओर से एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत सेक्टर-5 में 250 फलदार पौधों का रोपण किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने अभियान में भाग लेते हुए अपनी माताओं के सम्मान में पौधे लगाए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य हरित आवरण बढ़ाना, जैव विविधता को प्रोत्साहित करना और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण सुनिश्चित करना है। रिलायंस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीवल्लभ गोयल ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि माताओं, प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति सम्मान और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि मेट सिटी में पिछले पांच वर्षों के दौरान एक लाख से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। साथ ही जापान की मियावाकी तकनीक पर आधारित अर्बन फॉरेस्ट भी विकसित किया गया है, जो जैव विविधता बढ़ाने, वायु गुणवत्ता सुधारने और कार्बन अवशोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

झज्जर। पौधरोपण के दौरान उपस्थित रिलायंस अधिकारी एवं कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस मौके पर रिलायंस मेट सिटी के इन्फ्रा हेड राकेश सिन्हा, सीएसआर प्रमुख कर्नल रोमल राज्याण, प्रीती सक्सेना, अविनाश जायसवाल, अनिल शर्मा, हनी मलिक, सतपाल सिंह, सोमवीर सुखाला, लोकेश कापसे, नीलम सिंह सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

पर्यावरण बचाओ अभियान को लेकर बैठक में चर्चा

बहादुरगढ़। आर्य प्रतिनिधि सभा हरियाणा द्वारा जुलाई महीने में पेड़ लगाओ-पर्यावरण बचाओ अभियान को सफल बनाने के लिए आर्य प्रतिनिधि सभा जिला झज्जर की एक बैठक दीनबंधु छोटूराम धर्मशाला में हुई। इसमें पौधों की व्यवस्था, उनके लगाने के लिए स्थानों का चयन व उनकी सुरक्षा व लालन-पालन के विषय पर चर्चा हुई। जिला वेद प्रचार मंडल के संरक्षक आर्य ब्रह्मजीत की अध्यक्षता में हुई बैठक में इस अभियान को सफल बनाने को लेकर चर्चा हुई। आर्य हरिओउम दलाल के ने बताया कि पौधों की व्यवस्था के लिए पूर्व पार्षद वजीर राठी, पूर्व जिला अधिकारी सतबीर दहिया व गांव आसौदा के आर्य सुनील आदि लोगों से संपर्क किया गया है। पौधे लगाने के लिए कन्या गुरुकुल लोवा कलां, गांव खरहर के खेल स्टेडियम, क्षेत्र के विद्यालय व कालेजों के परिसर पर विचार किया गया। महिना भर चलने वाले इस अभियान में सभी सक्रियता से काम करेंगे। प्रत्येक आर्य अपनी ओर से 5-5 पेड़ लगाएगा और उन्हें गोद लेकर उनकी सेवा सुश्रुषा करेगा। पौधारोपण में नीम, बरगद, पीपल, तुलसी के साथ छायादार पौधों का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाएगा। मीटिंग में मीडिया प्रभारी व्रतपाल राठी, महिला प्रभारी प्रीति आर्या, जितेन्द्र आर्य, आर्य अशोक कुमार, आर्य राजबीर मलिक, आर्य अतर सिंह, आर्य रणबीर कादयान, रामचंद्र दुल्हेडा, राजेंद्र नई बस्ती व प्रदीप लडरावण आदि उपस्थित रहे।

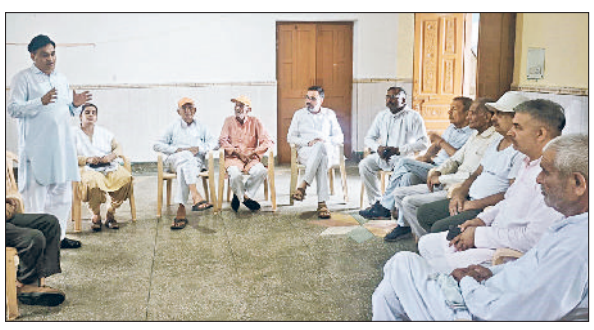

बहादुरगढ़। बैठक में चर्चा करते आर्य प्रतिनिधि सभा के पदाधिकारी व सदस्य।